mercredi 9 mai 2012

HIN1B08b

Compréhension de l'écrit

Cours – 12

1. Donnez les antonymes des mots suivants.

चतुर/मूर्ख	दुखदायी/सुखदायी	मित्र/दुश्मन	हाथ/पैर	झील/पहाड़
आना/जाना	उठना/बैठना	थामना/छोड़ना	शीतल/गर्म	बजाना/गाना

2. Quel est le sens des mots suivants faits sur le même modèle :

(préfix privatif)

बेमन sans intérêt, बेशक sans doute, बेबस impuissant, बेरहम sans pitié,

बेअक्ल sans intelligence, बेअसर sans effet, बेजान sans vie

(comparatif)

बेहतर mieux, अधिकतर pour la plus part, उच्चतर supérieur, निम्नतर inférieur, बदतर pire, कमतर moindre

3. Comment interprétez-vous le verbe लगना dans les contextes suivants (traduire en français):
   1. नारियल पेड़ पर बहुत ऊपर लगता है । pousser sur (l'arbre)
   2. मुझे लगता है मार्तीन ओब्री प्रधान मंत्री बनेगी । il me semble
   3. मार्सेई जाने में कितना समय लगेगा ? combien de temps cela prendra
   4. अपनी सफ़ेद टोपी से वह भारतीय लगने लगा ? ressembler à
   5. पत्र भेजने के लिये इस पर टिकट लगाइये । poser, coller

4. Que veulent dire les expressions suivantes (4) :
   1. महाराजा की देखरेख में कोई कसर नहीं रहती । il n'y faisait défaut, ne manquait pas
   2. पैसेवाले गरीबों पर जुल्म कर रहे हैं । opprimer
   3. पानी के बिना मछलियाँ तड़प-तड़पकर मर गईं । souffrir
   4. कछुए की हड्डी-पसली का भी पता नहीं लगा ।ne laisser aucune trace
   5. हिटलर ने लाखों लोगों को मौत के घाट उतरवा दिया । tuer – faire descendre sur le quai de la mort
   6. कुत्ते ने हमारा पीछा नहीं छोड़ा । ne pas lâcher

5. Donnez des réponses simples en français aux questions suivantes :

महाराज कृष्णदेव राय तेनालीराम का मखौल उड़ाने के लिए उल्टे-पुल्टे सवाल करते थे । तेनालीराम हर बार ऐसा उत्तर देते कि राजा की बोलती बन्द हो जाती । एक दिन राजा ने तेनालीराम से पूछा "तेनालीराम ! क्या तुम बता सकते हो कि हमारी राजधानी में कुल कितने कौवे निवास करते है ?" हाँ बता सकता हूँ महाराज! तेनालीराम तपाक से बोले। महाराज बोले बिल्कुल सही गिनती बताना ।

जी हाँ महाराज, बिल्कुल सही बताऊँगा। तेनालीराम ने जवाब दिया । दरबारियों ने अंदाज लगा लिया कि आज तेनालीराम जरुर फँसेगा। भला परिंदो की गिनती संभव हैं ? "तुम्हें दो दिन का समय देते हैं। तीसरे दिन तुम्हें बताना हैं कि हमारी राजधानी में कितने कौवे हैं।" महाराज ने आदेश की भाषा में कहा ।

तीसरे दिन फिर दरबार जुड़ा। तेनालीराम अपने स्थान से उठकर बोला "महाराज, महाराज हमारी राजधानी में कुल एक लाख पचास हजार नौ सौ निन्यानवे कौवे हैं। महाराज कोई शक हो तो गिनती करा लो ।

राजा ने कहा गिनती होने पर संख्या ज्यादा-कम निकली तो? महाराज, ऐसा नहीं होगा, बड़े विश्वास से तेनालीराम ने कहा अगर गिनती गलत निकली तो इसका भी कारण होगा। राजा ने पूछा "क्या कारण हो सकता हैं ?"

तेनालीराम ने जवाब दिया "यदि! राजधानी में कौवों की संख्या बढती हैं तो इसका मतलब हैं कि हमारी राजधानी में कौवों के कुछ रिश्तेदार और इष्ट मित्र उनसे मिलने आए हुए हैं। संख्या घट गई हैं तो इसका मतलब हैं कि हमारे कुछ कौवे राजधानी से बाहर

अपने रिश्तेदारों से मिलने गए हैं। वरना कौवों की संख्या एक लाख पचास हजार नौ सौ निन्यानवे ही होगी ।" तेनालीराम से जलने वाले दरबारी अंदर ही अंदर कुढ़ कर रह गए कि हमेशा की तरह यह चालबाज फिर अपनी चालाकी से पतली गली से बच निकला ।

1. महाराजा उल्टे सीधे सवाल क्यों करते थे ?
2. तेनाली राम ने एक बड़ी संख्या क्यों बताई ?
3. दरबारियों ने सवाल के पहले और बाद में मन में क्या सोचा ?
4. तेनाली राम ने कम और ज़्यादा कौवों का हिसाब कैसे दिया ?
5. तेनाली राम सबकुछ विश्वास से क्यों कहता था ?